हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजनिया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, गुरुवार 6 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

म.प्र. राज्य व्हॉलीबाल छात्रावास नरसिंहपुर के लिए प्रतिभा चयन 20 से 21 जून 2024 तक

मण्डला। म.प्र. राज्य व्हॉलीबाल छात्रावास नरसिंहपुर वर्ष 2024-25 में प्रवेष हेतु बालक खिलाड़ियों के लिए प्रतिभा चयन का आयोजन दिनांक 20 जून एवं 21 जून 2024 को व्हॉलीबाल कोर्ट स्टेडियम ग्राउण्ड नरसिंहपुर में किया जाना है। प्रतिभा चयन में सम्मिलित होने वाले खिलाड़ियों की आयु 12 वर्ष से 16 वर्ष के मध्य एवं राज्य/राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों की आयु 12 से 18 वर्ष (31 मई 2024 की स्थिति में) होना चाहिए। खिलाड़ियों को चयन स्थल पर आधार कार्ड, जन्म प्रमाण, मूल निवासी/स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र की मूल कॉपी एवं उनकी 02-02 छायाप्रति सहित 20 जून 2024 को रजिस्ट्रेषन हेतु व्हॉलीबाल कोर्ट नरसिंहपुर में प्रातः 10.00 बजे उपस्थित होना अनिवार्य है।

बिछिया के प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी निलंबित

मण्डला। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास म.प्र. शासन द्वारा नगर परिषद भुआ बिछिया के प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी संजय बाबू घाटोडे (मूल पद राजस्व उप निरीक्षक) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्यवाही नगर परिषद भुआ बिछिया जिला मंडला की कार्यप्रणाली एवं अनियमितताओं के संबंध में अनुविभागीय दंडाधिकारी बिछिया से प्राप्त प्रतिवेदन तथा शिकायतों की जाँच हेतु जिला स्तर पर गठित जांच समिति द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर की गई है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय संभागीय संयुक्त संचालक कार्यालय नगरीय प्रशासन एवं विकास जबलपुर रहेगा। निलंबन अवधि में इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

16 जून तक चलेगा विशेष अभियान

क्या जल स्त्रोतों का होगा संरक्षण

*** सिर्फ कागजों तक तो सीमित नहीं रहेगा अभियान।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नमामि गंगे परियोजना अंतर्गत जल स्त्रोतों यथा नदी, तालाब, कुंआ, बावड़ी व अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन हेतु 5 जून से 16 जून तक विशेष अभियान का संचालन किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवाहित होने वाली नदियों, उनमें मिलने वाली सहायक नदियों एवं जल संरचनाओं के पुनर्जीवीकरण एवं संरक्षण किया जाना है।

इस संबंध में जारी निर्देश के अनुसार आगामी मानसून की अवधि में वर्षा जल को ज्यादा से ज्यादा संचय करने हेतु इस अभियान को प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जाए। अभियान में विभिन्न जनप्रतिनिधियों, सामाजिक तथा अशासकीय संस्थाओं एवं योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के अंतर्गत कार्यरत जन अभियान परिषद की भी सहभागिता कराई जाएगी। अभियान के तहत स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) से 16 जून 2024 तक की अवधि में विशेष अभियान चलाकर विविध गतिविधियाँ कराना सुनिश्चित की जाएंगी।

10 से 15 घरों के मध्य सामुदायिक सोक पिट का निर्माण

ग्रे-वॉटर का प्रबंधन घरेलू सोक पिट, लीच पिट, किचन गार्डन का निर्माण प्राथमिकता से किया जाए। घरेलू स्तर पर प्रबंधन न होने की स्थिति में 10 से 15 घरों के मध्य सामुदायिक सोक पिट, लीच पिट का निर्माण कराया जाए। यदि पूर्व निर्मित सोक पिट, लीच पिट से 15 घरों से अधिक घर जोडे.गये हैं एवं उक्त स्थान पर ग्रे-वॉटर की मात्रा अधिक है तो ऐसे स्थानों पर 10 से 15 घरों के लिए पृथक से सोक पिट, लीच पिट का निर्माण किया जाए। अक्रियाशील व्यक्तिगत एवं सामुदायिक सोक पिट, लीच पिट तथा वृहद संरचनाओं में साफ-सफाई, रेट्रोफिटिंग का कार्य कराया जाए।

तैयार करें ग्रे-वॉटर संरचना निर्माण के प्रस्ताव

नालियों की साफ-सफाई एवं मरम्मत आदि का कार्य कराया जाए। ऐसे ग्राम जहाँ जल जीवन मिशन संचालित होने से ग्रे वॉटर की मात्रा अधिक हो गई है तथा जहाँ जल भराव की स्थिति उत्पन्न होती है, ऐसे स्थानों को चिन्हित कर आवयकतानुसार उचित ग्रे-वॉटर संरचना निर्माण प्रस्तावित किया जाएगा। समस्त सार्वजनिक एवं सामुदायिक स्थानों की साफ-सफाई का कार्य किया जाए एवं एकत्रित अपशिष्ट का निपटान किया जाए। सिंगल पिट शौचालयों को चिन्हांकित कर रेट्रोफिटिंग के माध्यम से ट्विन पिट शौचालयों में परिवर्तित किया जाए। अभियान अवधि में स्वच्छता के लिए जनजागरूकता बढ़ाने हेतु विविध गतिविधियां आयोजित की जाए।

जल स्त्रोतों तथा सामुदायिक स्थानों में की गई सफाई

नमामि गंगे परियोजना के तहत बुधवार को जिले के विभिन्न ग्रामों में नदी, तालाब, कुआं, बावड़ी आदि जल स्त्रोतों की साफ-सफाई करते हुए एकत्रित अपशिष्टों के निपटान की कार्यवाही की गई। साथ ही स्थानीयजनों से जल का महत्व बतलाते हुए जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं उनके पुर्नजीवन के इस अभियान में सहभागिता की अपील की गई। इस दौरान सामाजिक तथा अशासकीय संगठनों के प्रतिनिधि तथा आमजन उपस्थित रहे।

शनि जयंती के अवसर पर हुआ विशेष श्रृंगार

*** आज होगी विशेष आरती एवं महाप्रसादी का होगा वितरण।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नक्खी माता शनि मंदिर बकोरी में इस वर्ष भी ज्येष्ठ मास की अमावस्या अर्थात 6 जून को पूरे हर्ष उल्लास और भक्तिमय तरीके से मनाया जा रहा है जहां गत वर्ष 1001 मोसंबी फल से श्रृंगार किया गया था वहीं इस शनि जयंती के अवसर पर 501केशर, लंगड़ा और तोतापरी प्रजाति के आम्रफल से श्रृंगार किया गया है। ग्राम बकोरी के नक्खी माता मंदिर परिसर में शनिदेव नवग्रह मंदिर में शनि जयंती कार्यक्रम के संयोजक डी के सिंगौर ने बताया कि शनि जयंती के दिन 6 जून को प्रातः 7 बजे से पूजा हवन आरती का कार्यक्रम होगा। शाम 6 बजे महाप्रसादी का वितरण होगा शाम 7.30 बजे 108 दीपों से महारती होगी रात्रि 8.30 पर भक्तिमय संगीतमय नृत्य प्रतियोगिता और ओपन प्रश्न मंच का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रममें सहभागिता करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम समाप्ति पर श्रृंगारित आम्र फलों को प्रसाद के रूप में वितरण किया जायेगा। मंदिर से जुड़े भक्तगण नितिन साहू, अनिल गुप्ता, प्रवेश साहू, अजय झरिया, मोनू जायसवाल, कंठा बाबा जोर शोर से तैयारी में जुटे हैं। नक्खी माता मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता सचिव प्रकाश जैन कोषाध्यक्ष हरि पांडे ने सभी क्षेत्रीय नागरिकों और श्रृद्धालुओ से शनि जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होने की अपील की है।

मण्डला में भी होंगे विशेष कार्यक्रम

शनि जयंती के पावन पर्व पर आज नगर के विभिन्न शनि मंदिरों में भी विशेष आयोजन होने जा रहे हैं विशेष रूप से सूर्यकुण्ड धाम, रपटाधाम, दादा धनीराम जी आश्रम, किले वार्ड स्थित सांई मंदिर में सुबह से ही पूजन अभिषेक का सिलसिला प्रारंभ हो जायेगा। नगर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी भगवान शनि देव के स्थान हैं जहां पर भी श्रद्धालुजन पूजन-अर्चन के साथ-साथ भण्डारे का आयोजन कर रहे हैं।

निवास जनपद उपाध्यक्ष घनश्याम सूर्यवंशी पर धारा 376 के तहत लगा आरोप

निवास। ओद्योगिक क्षेत्र मनेरी निवासी व वर्तमान में भाजपा से जनपद निवास के उपाध्यक्ष घनश्याम सूर्यवंशी के ऊपर एक युवती ने थाने में लिखित शिकायत कर गंभीर आरोप लगाया है, टिकरिया पुलिस द्वारा फरियादी के आवेदन पर धारा 376, 376(2) (n), 506 ताहि. पंजीबद्घ कर मामले को विवेचना में लिया है। युवती द्वारा की गई लिखित रिपोर्ट में विवरण के मुताबिक घनश्याम सूर्यवंशी ने उसके साथ पहले जान पहचान बनाया और उक्त युवती से यह भी कहा की तुम भाजपा में शामिल हो जाओ में तुम्हें जॉब दिला दूंगा, और अंततः दोस्ती के दोगले चेहरे की आड़ में उक्त युवती से (10/03/2022) को रात्रि के समय घर की छत पर ले जाकर शादी का झांसा देकर दुष्कृत्य किया और तब से लगातार दो सालों से शारीरिक संबंध बनाते हुये यौन शोषण करता रहा, जिसके परिणाम स्वरूप उक्त युवती आठ माह के गर्भ से है, पश्चात खुद को ठगा जाने के आत्मक्षोभ व सामाजिक बेइज्जती से बचने युवती ने आरोपी से कई बार शादी करने की मिन्नते की तो उसको जान से मारने की धमकी मिलती रहीं। आखिरकार युवती ने अपने साथ हुये अत्याचार पर न्याय पाने हिम्मत नहीं हारी और दिनाँक 04/06/2024 को टिकरिया थाना पहुँचकर एफआईआर दर्ज कराई है। उक्त घटना की जानकारी होने के बाद क्षेत्रीय आदिवासी समाज के बीच काफी रोष की जानकारी मिल रही है, अब देखना यह है कि शासन प्रशासन उक्त पीड़ति युवती को कब तक न्याय दे पाता है।

ठंडे बस्ते में पड़ी स्वामित्व योजना

*** आबादी भूमि में बने मकानों का पट्टा देने में भारी विलंब।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कई तरह की योजनाओं का क्रियान्वयन मध्यप्रदेश के मंडला जिले में नहीं हो पा रहा है। योजनाओं के क्रियान्वयन में भी घोर लापरवाही बरती जा रही है। योजनाओं का सही क्रियान्वयन आखिरकार क्यों नहीं किया जा रहा है इस विषय पर शासन प्रशासन द्वारा कोई जांच नहीं की जा रही है। एक ऐसी ही योजना काफी लंबे समय बीत जाने के बाद पूर्ण नहीं हो पाई है काफी समय पहले मध्यप्रदेश के मंडला जिले में शासन के निर्देश पर ड्रोन कैमरा के माध्यम से आबादी भूमि का सर्वे किया गया था। और उसके बाद यह काम अभी तक ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है। स्वामित्व योजना अंतर्गत सर्वे कार्य को किया गया लेकिन आबादी भूमि में बने मकानों या किये गये कब्जों की भूमि का पट्टा अभी तक अधिकांश ग्रामों में संबंधितों को नहीं दिये गये हैं, आखिरकार इसमें लापरवाही किसके द्वारा बरती गई है, शासन प्रशासन द्वारा उच्च स्तरीय जांच पड़ताल कराई जाए और स्वामित्व योजना अंतर्गत क्रियान्वयन में की गई लापरवाही करने वालों के खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही करते हुए स्वामित्व योजना अंतर्गत आबादी भूमि का पट्टा प्रदान किया जाए। बताया यह भी जा रहा है कि इस संबंध में राजस्व विभाग का अमला गड़बड़ी कर रहा है और इनकी गड़बड़ियों को रोकने के लिए शासन प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जनापेक्षा है स्वामित्व योजना का सही क्रियान्वयन मध्यप्रदेश के मंडला जिले मे किया जाए।

आवासहीनों को कब मिलेगा भूखण्ड

भाजपा सरकार के तात्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी प्रदेशवासियों से यह वादा किया था कि जिसके पास भी मकान निर्माण के लिये भूमि नहीं है यदि वह शासन द्वारा तय किये गये मापदण्ड पर खरा उतरता है तो उसे प्रदेश सरकार द्वारा मकान निर्माण हेतु भूखण्ड निःशुल्क दिया जायेगा और इसके लिये बाकायदा महिलाओं से ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन भी कराये गये थे देखना होगा कि भाजपा सरकार अब अपने इस वादे पर कब खरी उतरती है।

पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण.....

मण्डला। 05 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अंतर्गत दिनांक 05.06.24 को क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय मण्डला एवं भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा के सयुंक्त नेतृत्व में मण्डला शाखा परिसर एवं आसपास क्षेत्र में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया एवं समस्त स्टाफ एस.बी.आई द्वारा पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक अर्जुन सिंह बिष्ट मुख्य प्रबंधक मुकेश सोनी, दीपक लखेरा, नीलेश दुबे, लाल रत्नेश सिंघाई श्रीमती गुंजन कु सलाखा, रोहन, रोहित, निरंजन आदि ने उपस्थित होकर वृक्षारोपण किया गया।

आईटीआई में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 10 जून.....

मण्डला। शासकीय आईटीआई मंडला में संचालित एनसीव्हीटी, एससीव्हीटी के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाईन के माध्यम से विभाग के पोर्टल (ूएकेकण्उचण्हवअण्पद) पर प्रवेश रजिस्ट्रेशन 2024 पर जाकर 10 जून 2024 तक रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। प्रवेश से संबंधित समस्त जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए आवेदक विभाग के उपरोक्त पोर्टल पर अथवा कार्यालयीन कार्य दिवस में शासकीय आई0टी0आई0 मंडला में स्थापित हेल्पडेस्क से स्वयं उपस्थित होकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

विडम्बना | **पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की ली शपथ।**

पर्यावरण दिवस पर विभिन्न आयोजन

*** वृक्षों के कत्लेआम पर दिखाई दिये मौन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर श्रीमती समपतिया उईके पीएचई कैबिनेट मंत्री मध्य प्रदेश शासन भोपाल के द्वारा पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कर शुभकामनाएं देते हुए संदेश देते हुए आम जनता को नागरिकों शिक्षकों व छात्रों को संदेश देते हुए अवगत कराया की वे अपने जीवन के लिए जल मिशन का एक दायित्व है की जल की सुरक्षा करना तथा बूंद बूंद जल को बचा के रखना इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रकृति के संरक्षण के लिए आम नागरिकों को एक-एक वृक्ष लगाकर अपना योगदान दें ताकि हमारी प्रकृति के संतुलन में यह दिवस कारगर साबित हो सके इस अवसर पर उन्होंने आम जनता से यह भी अपील करते हुए कहा कि जल का अधिकार मानव के साथ-साथ पशु पक्षी एवं जीव जंतुओं का भी है अतः उनकी सुरक्षा एवं व्यवस्था करना हर नागरिकों का कर्तव्य है आम नागरिकों से उन्होंने अपील करते हुए कहा कि वह अपने घरों में आसपास छतो में या किसी वृक्ष में मिट्टी के सकोरे में पानी डालकर पक्षियों एवं जीव जंतुओं के जीवन को बचाने में अपना योगदान दें तभी हम विश्व पर्यावरण दिवस को सही तरीके से मना सकते हैं इस अवसर पर श्री आर के छतरी पर्यावरण सदस्य एवं जैव विविधता सदस्य ने अवगत कराया कि मंत्री जी का संदेश निश्चित तौर से जन-जन तक पहुंचे ताकि हर छात्र एवं हर नागरिक बूंद बूंद जल बचाकर एवं स्वच्छ रखकर पर्यावरण को संतुलन में सहयोग कर सके।

ऑक्सीजन वृद्धि करने तथा कीटाणु नाशक औषधीय पौधों का रोपण

परंपरागत ग्रामीण चिकित्सक संघ तथा सत्य सांई समिति मंदिर बम्हनी बंजर तथा बिंझिया में किया गया (1) नीम, पीपल, काली हल्दी जैसे प्राकृतिक किटाणु नाषक। (2) मुनगा, तुलसी, मीठी नीम जैसे प्राकृतिक एष्टी ऑक्सीडेंट। (3) गिलोय, बिदारीकंद, विधारा जैसे नेचुरल हर्बल इम्युनिटी बूस्टर पौधों का रोपण किया गया।

परंपरागत ग्रामीण चिकित्सक संघ के अध्यक्ष डॉ. आर.पी. सिंह ने बताया कि, हमारी प्राचीन चिकित्सा प्रणाली हर प्रकार के रोगों का निदान करने में समर्थ है, तथा हमारी परंपरागत चिकित्सा प्रणाली में निर्मित औषधियों का कोई साइड इफेक्ट नहीं है। आवश्यकता है कि वन पर्यावरण विभाग, कृषि विभाग, आयुष विभाग राज्य तथा केन्द्र शासन दोनों स्तर से अधिक से अधिक औषधीय पौधों के रोपण तथा भंडारण तथा औषधीय निर्माण व विक्रय के नियम वर्तमान समय अनुसार परिवर्तित करने का आदेश जारी करें। सर्जरी की उत्पति आयुर्वेद से हुई है इसका प्रमाण सुश्रुत संहिता है। हम यह मांग ड्रग कंट्रोलर ऑफ इंडिया तथा आयुष विभाग से राज्य तथा केन्द्र दोनों स्तर पर लगातार 2 वर्ष से कर रहा है कि आयुष पद्धतियों के लिए ड्रग एण्ड कॉस्मेटिक एक्ट 1945 से हटकर आयुष पद्धति की औषधियों के निर्माण का पृथक कानून बनाया जाये तथा मेजिकल रेमेडी एक्ट 1954 (आपत्ति जनक विज्ञापन अधिनियम) आयुष पद्धति के चिकित्सकों को 54 प्रकार की बीमारियों के उपचार के प्रचार-प्रसार पर रोक लगाता है जबकि सभी बीमारियों का ईलाज आयुष पद्धतियों में है यह कानून परिवर्तित या रद्द किया जाना चाहिए ताकि आज जनता को बिना किसी साईड इफेक्ट के कैंसर, डायबिटिज, सिकलसेल, हृदयरोग, मस्तिष्क रोग तथा अन्य रोगों का ईलाज अधिक से अधिक मिल सके।

पुलिस अधीक्षक द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पुलिस ऑफिस एवं बाल उद्यान में किया गया वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मण्डला पुलिस द्वारा पर्यावरण संरक्षण करने का संकल्प लेने के उद्देश्य से ही हर वर्ष "विश्व पर्यावरण दिवस" मनाया जाता है। जिसके अवसर पर आज पुलिस अधीक्षक मण्डला रजत सकलेचा द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय मण्डला में छायादार व फलदार पौधों को रोपित किया गया है। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाईन स्थित नवनिर्मित बालवाटीका में पौधारोपण किया गया। एसपी द्वारा समस्त प्राणी जगत के जीवन में वृक्षो के महत्व के बारे में संदेश देते हुए समस्त पुलिस कर्मचारियों के साथ आम जनमानस को अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण को संरक्षित कर संपूर्ण विश्व को सुरक्षित, स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाए रखने लिए प्रेरित किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस 2024' में प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान पर आधारित है जिस पर चर्चा करते हुये पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि हमें प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करके पर्यावरण को प्लास्टिक मुक्त करना है और हम सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण को बचाये रखना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। साथ ही इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडला, रक्षित निरीक्षक सुनिल नागवंशी, सुबेदार विवेक करोसिया, उप निरीक्षक हिमांशु चौहान व पुलिस कर्मी के द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

वृक्षारोपण किये जाने के पश्चात उपस्थित पुलिस अधिकारी/कर्मचारी को पुलिस अधीक्षक द्वारा पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन करने के लिए प्रेरित कर प्रोत्साहित किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस पर जिले के सभी थाना/चौकी परिसर में भी वृक्षारोपण किया गया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान पुलिस रक्षित निरीक्षक परिसर में स्थित बाल वाटिका का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उद्यान के रख रखाव, बच्चों के खेलनेयुक्त सुविधाओं से संबंधित आवश्यक निर्देश भी दिये गये।

खबर संक्षेप

सी एम राइज साईंखेड़ा में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

हरिभूमि न्यूज/सांईखेडा। हर साल 5 जून को भारत वर्ष ही नही संपूर्ण दुनियों में पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इसी कड़ी में दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेडा सी एम राइज विद्यालय एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की पूजन कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कल्पतरू पर्यावरण संस्था के पदाधिकारी नीरज श्रीवास्तव, अरविंद सिंह राजपूत उपस्थित रहे। नर्मदा ईको क्लब के प्रभारी भानु प्रताप राजपूत ने बताया कि संस्था की शिक्षक अर्चना तिवारी, सोनू बुधौलिया, सोनल दीक्षित ने वृक्षारोपण किया। संस्था प्राचार्य चंद्रकांत विश्वकर्मा ने विद्यालय को प्लास्टिक मुक्ति और जन्मदिन आदि विशेष अवसरों पर वृक्षारोपण करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी वक्ताओं ने पर्यावरण सुरक्षा और संरक्षण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए पृथ्वी और पर्यावरण बचाने की अपील की।कार्यक्रम में सरदार सिंह राजपूत, भाईजी चौधरी, मोनिका राय, प्रियंका अग्रवाल, शर्मिला तिवारी, पूनम बसेडिया, लालसिंह लोधी, रूपसिंह कुशवाहा, चंद्रशेखर बसेडिया, भागीरथ प्रसाद, निरंजन झारिया, भवन्त मेश्राम, मनीष तिवारी, आकाश उपाध्याय, आलोक द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

कन्या नवीन जनशिक्षा केंद्र में बैठक के दौरान बेहतर शालेय व्यवस्थाओं हेतु दिए निर्देश

गाडरवारा। सोमवार को स्थानीय पीएमश्री शासकीय कन्या नवीन विद्या भवन जनशिक्षा केंद्र में अधीनस्थ शालाओं के समस्त शिक्षको ली बैठक का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि इस बैठक में जनशिक्षक बनवारी लाल नागवंशी ने कहा कि ग्रीष्कालीन अवकाश उपरांत स्कूल खुल गए हैं। इस दौरान सभी शालाओ में बेहतर साफ सफाई हो, शालेय रिकार्ड व्यवस्थित रहें, मैपिंग कार्य एवं आरएसके पोर्टल पर पहली एवं दूसरी के छात्र छात्राओं के सत्यापन का कार्य जल्द पूर्ण किए जाने संबंधी निर्देश दिये। बैठक में जनशिक्षक अपसार खान ने कहा कि स्कूलों में पुस्तकालय की पुस्तकों का बेहतर ढंग से रख रखाव सहित राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे की बेहतर ढंग से तैयारी हो एवं मध्यान्ह भोजन वितरण सबंधी जानकारी जरूर पोर्टल पर अपडेट की जाए। उन्होंने बैठक में प्रधानपाठकों द्वारा समस्त शालेय स्टाफ को उपयोगी शिक्षण सामग्री प्रदान किए जाने सहित अन्य जरूरी निर्देश भी दिए।बैठक में जनशिक्षा केंद्र की अधीनस्थ शालाओं के प्रधानपाठकों एवं शिक्षकों की मौजूदगी रही।

पंचायत भवन के पास बनी हुई बगैर रैलिंग की टंकी बन सकती है बड़ी घटना का कारण

सांईखेड़ा। अक्सर देखा जाता है कि जब कोई बड़ी घटना घटित हो जाती है उसके बाद प्रशासन की आंखे खुलती है तब तक निश्चित ही किसी के घर का दीपक बुझ चुका होता है, यदि प्रशासन द्वारा समय रहते ही उस सच्चाई पर ध्यान दे दिया जावे तो निश्चित ही इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सकता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत ग्राम सिरसिरी में देखने मिली जहां पर बताया जाता है कि ग्राम सिरसिरी शासकीय ग्राम पंचायत भवन पास बनी हुई पानी टंकी की स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि जहां इस टंकी के ऊपर जाने वाले सिड्डी पर रूप से असुरक्षा के बीच खुली पड़ी हुई है, वही दूसरी ओर इन सिड्डियों पर किसी भी प्रकार की रैलिंग भी नही लगी हुई है, इस स्थिति में यहां पर आने वाले मासूम बच्चों को आये दिन इस टंकी की सिड़ियों पर चढ़ते हुये देखा जाता है, जिसके चलते यह अनुमान लगने से नही बच पा रहा है कि असुरक्षा के बीच खड़ी हुई ।

सालीचौका उप मंडी में लटकते ताले

जिम्मेदारों की चुप्पी पर खड़े हो रहे सवाल, क्षेत्र के किसान अपनी धान फसल विक्रय करने को हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका।

जहां एक ओर केन्द्र से लेकर प्रदेश की सरकार द्वारा किसानों को अपना अनाज विक्रय करने के लिये सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान करने की बात कहते हुये तो देखी जाती है। मगर यदि सही मायने में देखा जावे तो वह घोषणाएं मात्र मंचों तक ही सीमित होकर रहने से नही चूक पा रही है? इस बात की सच्चाई निश्चित तौर सालीचौका क्षेत्र में आसानी से देखने मिल सकती है। जहां पर देखा जावे तो सबसे अधिक धान फसल की पैदावार सालीचौका क्षेत्र में ही होती है और इसी लिये लोग सालीचौका क्षेत्र को धान का कटोरा की उपमा देने से नही चूकते है । मगर हालत यह है कि सालीचौका क्षेत्र में धान सहित गेंहू व मूंग की फसल पैदा करने वाले किसानों के लिये अपनी फसल विक्रय करने के लिये मंडी में सुविधा नही मिल पाने की स्थिति में भटकने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाता है। कहने के लिये सालीचौका में उप मंडी की स्थापना की गई है मगर वह मंडी मात्र शोभा की सुपारी बनी हुई दिखाई देने में कोई कसर नही छोड़ रही है। बताया जाता है कि नगर के मंडी में बीते हुये लम्बे समय से लटकता हुआ ताला व अपना अनाज विक्रय करने के लिये परेशान होते हुये किसान निश्चित तौर सरकार से लेकर क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों की उदासीनता का प्रमाण देने में कोई कसर नही छोड़ रही है? बताया जाता है कि सालीचौका में उप मंडी का निर्माण होने के बाद बीते हुए लगभग 9 वर्ष पूर्व इस उपज मंडी को लोकापर्ण भी हो चुका है। मगर इस मंडी के अभी तक विधिवत तौर से शुभारंभ न होना जहां किसानों को परेशानी का कारण बना हुआ है। ज्ञात हो कि सालीचौका उप मंडी क्षेत्र के अंतर्गत लगभग 40-50 गांवों के किसान आते है जो इस मंडी के समीप होने के माध्यम से

अपना अनाज विक्रय करने में सहूलियत पा सकते है। मगर इस मंडी में लोकापर्ण के उपरांत लगा हुआ अलीगढ़ का ताला जहां व्यापारियों व मंडी प्रशासन की मिली भगत होने की सच्चाई को उजागर नही चूक पा रहा है तो वही दूसरी क्षेत्र के किसाना अपना अनाज विक्रय करने के लिये परेशान होते हुये देखे जा रहे है। इस तरह करोड़ो की लागत से बनी हुई नगर की उप मंडी जहां शोभा की सुपारी बनकर रह गई है और क्षेत्र के किसानों को अपना अनाज विक्रय करने के लिये गाडरवारा या फिर बनखेड़ी पिपरिया ले जाने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। इस स्थिति में अपनी मजबूरी के चलते क्षेत्र के किसानों को अपनी गेंहू, मूंग सहित अन्य प्रकार के अनाज को निजी व्यापारियों को ओने पोने दामों में विक्रय करते हुये देखा जा रहा है। इस तरह प्रशासन की अनदेखी के चलते मंडी में लटक रहे ताले का लाभ निश्चित तोर से क्षेत्र के निजी व्यपारियों को मिलने के कारण जहां मंडी प्रशासन व व्यापारियों की जुगलबंदी का संदेह पैदा करते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर जिम्मेदार माने जाने वाली जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी सबालों के घेरे में आते हुये दिखाई देने लगी है? खैर सच्चाई जो भी हो उसे तो भगवान ही जाने मगर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय क्षेत्र के किसान जहां मंडी बंद रहने के कारण वर्तमान समय में गेंहू, मूंग सहित अन्य प्रकार के अनाज का विक्रय करने के लिये परेशान होते हुये देखे जा रहे है और इस सच्चाई को हरिभूमि द्वारा आये दिन प्रमुखता के साथ उजागर किये जाने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों द्वारा जिस तरह सच्चाई को नजर अंदाज करते हुये चुप्पी साधी जा रही है वह चिंता जनक बनने से नही चूक पा रही है। इस संबंध में जब क्षेत्र के किसानों से चर्चा की गई तो क्षेत्र के किसान व म.प्र. किसान सभा के नेता जगदीश पटैल का कहना है कि केन्द्र से लेकर प्रदेश में बैठी हुई सरकार द्वारा किसानों के हितों को लेकर बड़ी बडी बाते जरूर की जाती है। मगर किसानों की परेशानियों को नजर अंदाज कर दिया जाता है जिसके कारण किसान परेशान होते रहते है। इस बात को सरकार में बैठे हुये नेताओं से लेकर अधिकारी भी अच्छे से जानते है कि सालीचौका क्षेत्र में हर किस्म के अनाज की बम्फर पैदावार होती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये यहां पर उप मंडी की स्थापना की गई थी। मगर इस इस मंडी को क्षेत्र के किसानों को कोई लाभ नही मिल पा रहा है जिससे जहां किसान अपना अनाज विक्रय करने के लिये परेशान हो रहे है तो दूसरी ओर शासन की राशि से बनी हुई करोड़ो की लगात की यह मंडी खंडहर में तब्दील होने से भी बच पा रही है। इसी प्रकार से क्षेत्र के कृषक लीलाधर वर्मा बसुरिया का कहना है कि जब सरकार को सालीचौका में किसानों के अनाज की खरीद करना ही नही थी तो फिर मंडी की स्थापना क्यों की गई। जब मंडी बनने के साथ साथ उसका लोकापर्ण हो चुका है तो फिर उसमें ताला डालकर रखने का क्या मतलब है? वही युवा कृषक बबलू कुशवहा का कहना है कि सालीचौका में बनाई गई उप मंडी को लेकर निश्चित ही सरकार की किसानों को लाभ पहुंचाने की सोच रही होगी। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि सिर्फ मंडी के निर्माण मात्र से तो किसानों को लाभ नही मिल सकता है। क्योंकि मंडी के निर्माण के बाद उसमें लटकता हुआ ताला जहां किसानों के लिये चिड़ाने से नही चूक रहा है और मंडी का लाभ क्षेत्र के किसानों को नही मिल पा रहा है। इसी प्रकार से ग्राम सहावन निवासी कृष्णकांत लोधी का कहना है कि सालीचौका उप मंडी बंद रहने से सिर्फ किसान ही परेशान नही हो रहे है बल्कि यहां का व्यापार भी प्रभावित होते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि जब किसान अपना माल विक्रय करने के लिये गाडरवारा, बनखेड़ी या फिर अन्य दूसरी जगह लेकर जाता है तो वह अपना जरूरी समान भी वही से खरीदकर ले आता है। इस प्रकार से मंडी का निर्माण होने के बाद चालू न होना निश्चित ही मंडी प्रशासन के अधिकारियों व निजी व्यापारियों की मिली भगत का संदेह पैदा करते हुए जान पड़ रहा है? यदि मंडी की सच्चाई पर गौर किया जावे तो पिछली बार धान सीजन पर भी काफी जद्दोजहद के बाद मंडी को चालू किया था जिसमें मंडी राजस्व को लाखों का फायदा हुआ था मगर इसके बाद इस सीजन पर फिर मंडी में खरीदी कार्य को बंद रखना निश्चित ही भ्रष्टाचार की ओर संकेत देने से नही चूक रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हुआ संगोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज/चीचली। स्थानीय शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण संबंधित संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी को संबोधित करते हुए विकास खंड स्त्रोत समन्वयक डी के पटेल द्वारा पर्यावरण दिवस की महत्वता, पेड़ पौधे, वन्य जीव, नदी ,धरा इत्यादि के रखरखाव एवं इनसे संबंधित सभी आयामों पर अपने विस्तृत सुझाव दिए। उनके द्वारा नदी,जल एवं वायु प्रदूषण के कारणों एवं उन प्रदूषणों को कम करने में मानव समाज के द्वारा किये जाने वाले कार्यो की बात कही गई। इसी क्रम में इस संगोष्ठी को प्रभारी प्राचार्य भारत ताम्रकार, प्रधान पाठक जी एस मेहरा, सत्यम ताम्रकार, हेमंत शुक्ला, काशीराम रजक, उषा कुरचानिया, नेहा नेमा, सुलेखा शर्मा, रजनी सराठे ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा डी के पटेल को एक पौधा भी भेंट किया गया। इस संगोष्ठी में गिरीश ताम्रकार, धीरज जसाठी, रजनी जगेत, मधुलिका दुबे, अर्चना अवस्थी, दौलत मेहरा, ओमप्रकाश कौरव, माधव सिंह मेहरा इत्यादि की उपस्थिति रही। संगोष्ठी उपरांत वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का मंच संचालन विनीत नामदेव तथा आभार सत्यम ताम्रकार द्वारा किया गया।

कथा स्थल पर प्रतिदिन हो रहा रुद्रियों का निर्माण

गुरुकृपा से ही जीवन में सफलता संभव रविकांत मिश्रा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

नगर के समीपी ग्राम सांगई में चल रहे 7 दिवसीय संगीतमय श्रीमद भागवत कथा आयोजन के पूर्व ग्रामवासी प्रतिदिन सुबह रुद्रियों का निर्माण कर भगवान शिव का अभिषेक करने के चलते जहां गांव को पूरा महौल धर्ममय होते हुये देखा जा रहा है। वही बीते बुधवार को कथा के चौथे दिन आरती के बाद कथा वाचक पंडित रविकांत मिश्रा रसिक ने गुरु की महिमा को बताते हुए कहा कि हमारा जीवन गुरु के बिना अधूरा है। जिसके जीवन मे गुरुकृपा नही है उस व्यक्ति का जीवन नीरस है व अधूरा रहता है। क्योंकि गुरुकृपा से ही जीवन मे सफलता संभव है। इस दौरान उन्होंने कथा में आगे कहा कि भागवत कथा के अमृत से जीवन का उद्धार हो जाता है। इसीलिए हमें भागवत चर्चा एवं ध्यान करना चाहिए। कथा के दौरान माँ नर्मदाजी का वर्णन सुनाते हुये कहा कि नर्मदा नदी पवित्र नदी है नदियों में सिर्फ नर्मदा जी की ही परिक्रमा की जाती है । नर्मदा पापहरनी है जिसके दर्शन मात्र से व्यक्तियों के सारे पाप कष्ट एवं दुःख दूर हो जाते हैं। इस तरह कथा के पूर्व रूद्री निर्माण के लिये जहां प्रतिदिन महिलाओं की भीड़ उमड़ते हुये देखी जा रही है तो दूसरी कथा सुनने के लिये क्षेत्र के लोगों का हूजूम देखने मिल रहा है।

क्षेत्र की पंचायतों में हुये निर्माण कार्यो की जांच से उजागर हो सकती है गुणवत्ता की सच्चाई?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

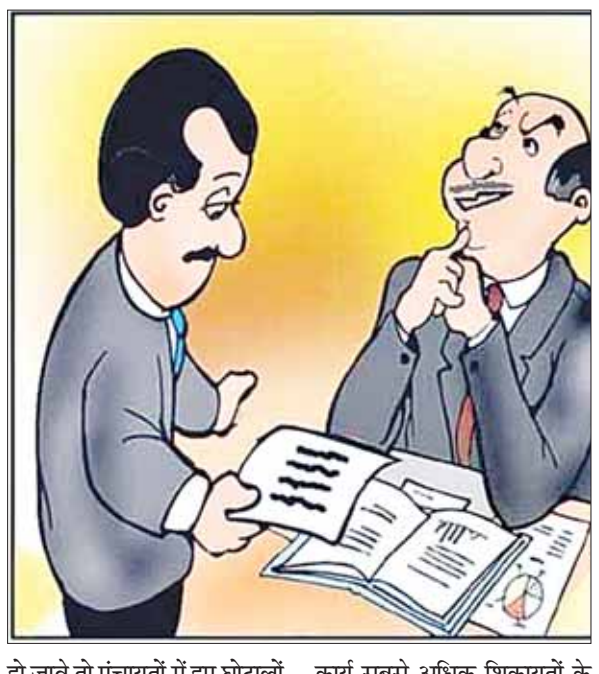

जिस प्रकार से लोग अपनी ग्राम पंचातयों में किसी जनप्रतिनिधि का चुनाव करती है तो उसे उससे काफी उम्मीदे रहते हुए ग्राम के विकास की बाट जोही जाती है। मगर अक्सर देखा जाता है कि कुर्सी मिलने के बाद वह ग्राम विकास को भूलकर सिर्फ अपनी विकास की ओर ध्यान देने से नही चूकता है? इस बात की सच्चाई ग्राम पंचायतों के पूर्व सरपंचों के कार्यकाल खत्म होने के बाद जब नई पंचातयों का गठन हुआ तो ऐसा जान पड़ा की शायद अब ग्रामों की तस्वीर बदल जावेगी? मगर ऐसा कुछ हुआ जान नही पड़ रहा है और पांच वर्ष बीत चुके है यदि पूर्व के समय के सरपंचो के कार्यकाल पर गौर किया जावे तो उनके द्वारा किये गये भ्रष्टाचार को लेकर अनेक ग्राम पंचायतों की कार्य प्रणाली के खिलाफ आज भी अंगुली उठ रही रही हैं? सरपंचों के खिलाफ शिकायतों का अनवरत सिलसिला जारी है, जिम्मेदार अधिकारियों के पास ऐसी अनेक शिकायतें निराकरण की बाट जोह रही है जिनकी यानि निष्ठा के साथ जांच हो जावे तो पंचायतों में हुए घोटालों की सच्चाई सामने आ सकती है? वैसे सच यह भी है कि यदि प्रशासन इन शिकायतों के प्रति गंभीर रूप अख्तियार करता तो अनेक ग्राम पंचायतों के सरपंचो द्वारा पूर्व में डकारी गई शासकीय राशि अपने घर से चुकानी पड सकती है? दरअसल ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य सबसे अधिक शिकायतों के केन्द्र बिन्दु बने हुए हैं? निर्माण कार्यों में अनियमितता बरतने की शिकायत आम तौर पर है क्योंकि सरपंचों के पास पांच लाख रूपये तक के निर्माण कार्य किये जाने क I अधिकार था और बाद में सरकार द्वारा उसमें बढ़ोत्तरी करते हुये डबल करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी, जिसका उन्होंने खुलेआम दुरूपयोग करते हुए अनेक पंचायतो में गुणवत्ताहीन किये गये निर्माण कार्य आज खुली गवाही दे रहे है। भले ही इन निर्माण कार्यों का मूल्यांकन तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा अपनी जुगाडू व्यवस्था के साथ करा दिया गया हो,परंतु कतिपय यंत्री और उपयंत्रियों की मिली भगत भी इनमें रही है यही कारण है कि मूल्यांकन के निकार्ड से तो बेहतर निर्माण कार्य का हुआ है परंतु निर्मित कार्य घटिया ही साबित हो रहे है? जिनकी सच्चाई वह निर्माण कार्य स्वयं ही बता रहे है? इतनी ही नहीं कुछेक ग्राम पंचायतों में तो यह आरोप भी लगाया जाता है कि निर्माण हुआ ही नहीं और पैसा खर्च हो गया, वैसे ऐसे आरोपों की तत्काल और गंभीरता से जांच होनी चाहिये, जिससे पूर्व के सरपंचों की खाई हुई मलाई ऊपर आ जावे तथा वर्तमान जनप्रतिनिधि उनके नक्शे कदम पर न चले, अपेक्षा है कि क्षेत्र के जनपद पंचायत चीचली क्षेत्र में पूर्व सरपंचों के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्यो की जांच की जावे तो अनेक प्रकार से चौकाने वाली सच्चाई आने से नही रूक सकती है।

अप डाउन संस्कृति पर नहीं लग पा रही रोक, शासन की योजनाएं हो रहे फेल

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। ब्लाक मुख्यालय के अंतर्गत जितने भी कार्यालय है उनमें चंद अधिकारियों कर्मचारियों को छोड़ दिया जावे तो अनेक अधिकारी ऐसे है जो अप डाउन संस्कृति को न अपनाये हो? बताया जाता है कि इन कार्यालायो में पदस्थ अनेक अधिकारी कर्मचारियों की अप डाऊन संस्कृति के चलते शासन की योजनाए फैल होती जा रही है? यहां पर अनेक विभागो के कार्यालयों में पदस्थ प्रमुख अधिकारियो से लेकर छोटे छोटे कर्मचारी तक अप डाउन करते हुए अपनी डियूटी जिस प्रकार से निभा रहे है कि लोग अपनी कार्यो के लिए उनका इंतजार करते हुए देखे जाते है? इतना ही नही यहां के प्रमुख ब्लाक कार्यालय से लेकर तहसील कार्यालय व अन्य विभागों के कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों सहित अन्य शासकीय कार्योलयों का यही हाल चल रहा है और ऐसा कई सालो से चलता आ रहा है कोई कार्यवाही न होने के कारण अधिकारी अपनी मनमानी से कार्य करते आ रहे है। जब मन करें आ जाते है जब मन करे तब चले जाते है कोई रोकने वाली नही है? यह बात जरूर है कि यदि ऐसा कोई छोटा कर्मचारी करे तो नोटिस जारी होने लगते है। लेकिन जो उस विभाग का मुखिया होता है उस पर कार्यवाही करने वाला कोई नही रहता, इस प्रकार से शासकीय कार्यालयों में चल रही मनमानी को लेकर आज तक कोई भी जिला स्तर के अधिकारी द्वारा इस अप डाउन संस्कृति पर अपनाने वाले अधिकारियो पर अंकुश नही लगा पा रहे है? जिसके कारण अधिकारियों द्वारा शासन द्वारा जो समय निश्चित है उस समय पर न तो वह कार्यालय पहुंच पाते है और न ही लोगों की समस्याओं को सुना जाता है? जिसके कारण आम जनता की समस्या का हल नही निकलता व शिकायतें दिनों दिन बढ़ती जाती है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रत्येक मंगलवार को शुरू किया गया जनसुनवाई कार्यक्रम भी अधिकारियो को याद नही रहता है, शायद ही ब्लाक मुख्यालय पर स्थिति किसी शासकीय कार्यालय में आज तक जन सुनवाई होते हुये देखी गई हो? शासन द्वारा चलाई जाने वाली जनसुनवाई को लेकर जब आमजन अपनी परेशानी लेकर पहुंचते है तो वहां पर अधिकारी गायब नगर आते है। अगर कोई उस कार्यालय में मौके पर उपस्थित किसी चपरासी से पूछे तो वह भी यही कह देता है कि जनसुनवाई का कोई औचित्य नही रह गया है? साहब को सप्ताह के अन्य दिन वैसे ही मंगलवार का रहता है, साहब उसी समय पर आयेगे जिस समय ट्रेन आएगी, साहब भी बेचारे क्या करे वह तो आना चाहते है पर ट्रेन लेट हो जाती है जिस कारण साहब समय पर आफिस नही पहुंच पाते है जब ट्रेन गाडरवारा आयेगी और फिर साहब यहां आवेगे अब जामें कार्य प्रभावित होते है तो होते रहे अब अपने परिवार थोड़ी छोड़ देवे? शासकीय कार्यालयों की इस सच्चाई को लेकर अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि अगर शासन प्रशासन को शासन की योजनाओ को जन जन तक लाभ पहुंचना है तो सबसे पहले शासकीय कार्यालयों में पदस्थ जिम्मेदारों की अप डाउन संस्कृति पर रोक लगाना होगा?

गायब हो गई शासन की मजदूर महिलाओं के बच्चों को झूला उपलब्ध कराने की योजना

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत मजदूरो को सौ दिन काम देने वाली यह योजना मजदूरो के लिए परेशानी का सबब बन गई है। इस योजना के तहत हितग्राहियों को प्रशासन ने मजदूरी उपलब्ध कराने में बरती जाने वाली कोताही के चलते जहां मजदूर अपनी मेहनत की कमाई पाने के लिये भटकते हुये देखे जाते है तो दूसरी ओर शासन की योजना के तहत मजदूर महिलाओं को सुविधाओं के नाम पर सिर्फ औपचारिकता ही निभाई जा रही है?

जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार पर्यावरण दिवस 5 जून 2024 से 16 जून 2024 तक समस्त जिलों में जल संरक्षण और जल पुर्नजीविकरण करने के उद्देश्य से जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरूआत हुई। उक्त कार्यक्रम के तहत जिले के सभी जनपदों में जल स्त्रोतों जैसे नदी, तालाब, कुआ, बावली व अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुर्नजीवन हेतु यह अभियान चलाया जा रहा है। जिसका प्रारंभ अंर्तराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस 5 जून को जिले के समस्त जनपद पंचायतों में हुआ। इस अभियान में वर्षा जल का अधिक से अधिक संचयन करना प्राथमिकता में रखा गया है।

कलेक्टर विकास मिश्रा के मार्गदर्शन में डिंडौरी जिले के समस्त जनपद पंचायतों में जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ हुआ। जिसमें जिले के सामाजिक संस्थाएं, जनप्रतिनिधि, शासकीय अशासकीय, एवं गणमान्य नागरिकों ने प्रथम दिन बढ चढकर भाग लिया। उक्त कार्यक्रम की नोडल प्रभारी सीईओ जिला पंचायत सुश्री विमलेश सिंह हैं तथा प्रत्येक जनपद पंचायत सीईओ सहायक नोडल के रूप में नियुक्त किए गए हैं।

सीईओ जिला पंचायत सुश्री विमलेश सिंह ने अभियान का शुभारंभ ग्राम डुंगरिया जनपद पंचायत समनापुर से किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण करना किसी एक व्यक्ति के जिम्मेदारी नहीं है अपितु समाज के रूप में हम सभी को यह दायित्व है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए एकजुट होकर कार्य करें। मानसून के आगमन के समय वृक्षारोपण करने से वृक्ष के परिपक्व होने की संभावना होती है। इसलिए जिले के सभी निवासी इस समय पौधारोपण कर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत समस्त जनपद पंचायतों में सीईओ जनपद पंचायतों के नेतृत्व में अभियान संचालित किए जा रहे हैं। सीईओ जनपद पंचायत शहपुरा अरविंद बोरकर ने बरगांव ग्राम पंचायत में सिलगी नदी के किनारे साफ सफाई और वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया। सीईओ जनपद पंचायत डिंडौरी निखलेश कटारे के नेतृत्व में ग्राम पंचायत कूड़ा के बल्लारपुर तालाब की साफ सफाई और गहरीकरण का कार्य किया गया।

अभियान के तहत जनपद पंचायत मेंहदवानी में ग्राम पंचायत भलवारा के ग्राम ताला में तालाब जीर्णोद्धार का कार्य किया गया। जिसमें क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। तथा लीच पीट हेतु ले आउट का निर्माण किया गया। मेंहदवानी में ग्राम पंचायत पंडरी टोला में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया।

समनापुर जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत मुकुटपुर में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में तालाब के जीर्णोद्धार कार्य की शुरूआत की गई। इस दौरान जनपद पंचायत सीईओ श्री सीपी साकेत के द्वारा समनापुर की कुकर्रामठ ग्राम पंचायत में तालाब के जीर्णोद्धार का कार्य किया गया तथा ग्राम पंचायत जाताड़ोंगरी आरोग्य केन्द्र परिसर में वृक्षारोपण के कार्य किए गए।

अभियान के तहत जनपद पंचायत करंजिया के ग्राम पंचायत बुन्देला में जल स्त्रोतों के संरक्षण और पौधारोपण का कार्य किया गया। इसी क्रम में मैया अभियान के सदस्यों ने आज पुरानी डिंडौरी में तालाब के साफ सफाई का कार्य किया। इस अभियान में ग्राम पंचायत, जन अभियान परिषद, मैया अभियान दल, सरपंच, पंच व अन्य जनप्रतिनिधियों ने प्रमुख भूमिका निभाई।

जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रारंभ पर्यावरण दिवस पर किया गया है जिसमें जिले के समस्त गणमान्य नागरिकों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। यह अभियान 16 जून 2024 तक आयोजित किया जाना है जिसमें जिले के समस्त नागरिकों की जनभागीदारी अपेक्षित है जिससे हम एक बेहतर पर्यावरण का निर्माण कर सकें।

खबर संक्षेप

कुलस्ते की जीत पर मेंहदवानी में जश्न मनाया गया

हरिभूमि न्यूज मेंहदवानी। लोकसभा चुनाव में संसदीय क्षेत्र मंडला से भाजपा प्रत्याशी और और पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते के विजयी होने और सातवीं बार सांसद बनने पर भारतीय जनता पार्टी मंडल मेंहदवानी के कार्यकर्ताओं द्वारा बुधवार को आतिशबाजी कर जश्न मनाया गया और विजयी जूलूस निकाला गया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष बद्री प्रसाद साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष दुर्गेश साहू एवं आदिवासी नेता संदीप तेकाम द्वारा समस्त कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई देते हुए आभार व्यक्त किया गया।इस दौरान भाजपा मंडल महामंत्री सुदामा बर्मन, संदीप रजक, रामस्वरूप साहू,देवी प्रसाद साहू,दशरथ दास पनरिया, कैलाश सोनवानी,ददु दास, मातूसिंह, अक्कल सिंह,अम्मू दास,फूल दास सहित मंडल मेंहदवानी के सभी शक्ति केन्द्र के प्रभारी संयोजक सहित अन्य कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस में रामगढ़ पंचायत ने किया वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज अमरपुर। शासन द्वारा चलाए जा रहे नमामि गंगे के तहत जनपद पंचायत अमरपुर की ग्राम पंचायत रामगढ़ द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर खरमेर नदी के किनारे भव्य कार्यक्रम आयोजन कर 625 पौधे रोपने की योजना पर प्रारंभिक दिवस में 50 पौधे रोपकर शुरूआत किया गया। जिसमें फलदार एवं छायादार पौधे जैसे पीपल, नीम, आम, अमरूद आदि के पौधे रोपे गए। साथ ही समाज में वृक्षारोपण का महत्व बताते हुए पौध रोपण हेतु जागरूक किया गया। जहां प्रमुख रूप से मुख्य कार्यपालन अधिकारी लोकेश नारनौरे, जनपद पंचायत अध्यक्ष हन्नु सिंह पट्टा, क्षेत्रीय जनपद सदस्य क्रांति धुर्वे, जनपद सदस्य मालती तिवारी, ग्राम पंचायत सरपंच वंदना ठाकुर, ग्राम रोजगार सहायक सुनील ठाकुर, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेन्द्र ठाकुर, पूर्व जनपद सदस्य धोबी सिंह परस्ते, राकेश बर्मन, संजय उईके एपीओ, केपी दुबे सहायक यंत्री, अमित गांगोली उपयंत्री सहित अन्य ग्रामीणों द्वारा पौध रोपण कर अपने घरों में पौधे रोकने का संकल्प लिया गया।

ओबीसी विद्यार्थियों को छात्रावास सुविधा मुहैया कराने ओबीसी महासभा ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। ओबीसी महासभा और जयस संगठन ने सयुंक्त रूप से मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर कों ज्ञापन सौंपा हैं, ज्ञापन में उल्लेख हैं की डिंडोरी जिले में ओबीसी समाज काफी संख्या में निवासरत है, परन्तु ओबीसी छात्र छात्राओं के लिए जिला मुख्यालय पर अध्ययन करने के लिए छात्रावास व्यवस्थित रूप से संचालित नहीं है, जिससे समाज के पिछड़े तबके के विद्यार्थी पढ़ाई नहीं कर पा रहें हैं। बहुत सारे विद्यार्थी पढ़ाई करना चाहते है, परन्तु आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण अपनी पढ़ाई विधिवत रूप से नहीं कर पा रहे हैं। डिण्डौरी जिलें में हॉस्टल ओबीसी विद्यार्थियों के हित के लिए बने हुए है पर उनका लाभ ओबीसी वर्ग कों नहीं मिल रहा हैं। ओबीसी महासभा और जयस ने मांग की हैं की आईटीआई के पास स्थित ओबीसी हॉस्टल मेस के साथ में सारी सुविधाओं के साथ संचालित की जाए। वार्ड क्रं. 2 में स्थित ओबीसी हॉस्टल में संस्कृत विद्यालय संचालित किया जा रहा हैं,उसे हॉस्टल में तमाम सुविधाओं के साथ ओबीसी छात्रावास संचालित की जाए, जिले में संचालित कन्या शिक्षा परिसरों में ओबीसी छात्राओं के लिए सीट रखा जाए। एकलव्य विद्यालय में ओबीसी छात्रों के लिए सीट रखा जाए,जिले में ओबीसी छात्र-छात्राओं के लिए नवीन हॉस्टल का निर्माण कार्य कराया जाए। उक्त मांगो कों लेकर कलेक्टर कों मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया हैं, इस दौरान ओबीसी महासभा के जिला अध्यक्ष अनिल कुमार पनेरिया,जयस प्रदेश अध्यक्ष इंद्रपाल मरकाम,भगवत यादव, संतोषी साहू, समेत भारी संख्या में महासभा के सदस्य मौजूद रहें हैं।

मजदूरी के लिए कार्यालयों का चक्कर काट रहा वृद्ध

विधायक ओमप्रकाश धुर्वे से मिल बताई समस्या

-मजदूर काम करने के बाद मजदूरी राशि के लिए दर-दर भटकने को मजबूर

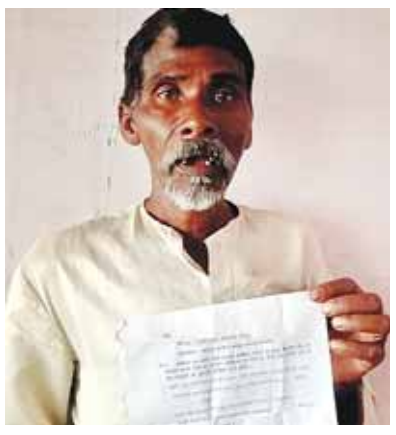

हरिभूमि न्यूज शहपुरा। डिंडोरी जिला के ग्राम पंचायत में इन दिनों सचिव सरपंच की हौसले इतने बुलंद होते जा रहे हैं कि मजदूरों को मजदूरी देने के लिए दर-दर भटकने को मजबूर होना पड़ रहा है ऐसा ही मामला सामने आया है जो की डिंडोरी जिला के शहपुरा जनपद क्षेत्र ग्राम पंचायत बरखेड़ा का है जहां एक वृद्ध सुग्रीव सिंह ग्रामीण बरखेड़ा गांव में सीसी रोड का निर्माण कार्य में चैकीदार का काम 47 दिनों तक किया जिसका मजदूरी भुगतान आज दिनांक तक नहीं किया गया और लगभग 15 दिन पूर्व जनपद सीईओ से मिल लिखित आवेदन देते हुए व्यथा बताया था लेकिन आज भी उस व्यक्ति का मजदूरी भुगतान नहीं दिया गया इस दौरान वृद्ध सुग्रीव सिंह ने विधायक ओमप्रकाश धुर्वे को भी समस्या बताते हुए पेमेंट दिलवाने के लिए आग्रह किया और तत्काल विधायक धुर्वे ने जनपद सीईओ को उस वृद्ध की मदद करने के लिए बोला गया था लेकिन आज भी उस वृद्ध मजदूर के समस्या का हल नहीं हुआ। और सचिव रोजगार सहायक के द्वारा उन्हें दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर किया जा रहा है आवेदक के द्वारा जानकारी में बताया गया कि अभी तक सुग्रीव सिह उरैती उम्र 60 वर्ष ग्राम बरखेड़ा का निवासी है और वह एक गरीब परिवार का रहने वाला है जो मजदूरी का काम कर अपना जीवको उपार्जन करता है वृद्ध सुग्रीव सिंह उरैति ने पंचायत की जिम्मेदार पर आरोप लगाते हुए बताया कि पंचायत के सचिव रोजगार सहायक के इतने हौसले बुलंद है कि जब में उनके पास मजदूरी भुगतान के लिए गया तो उन्होंने खरी खोटी सुना दिया और रोजगार सहायक के द्वारा यहां तक कह दिया गया कि आपका पेमेंट एसडीएम और कलेक्टर करेंगे तुमने उनसे शिकायत किया है तो पेमेंट के लिए उन्हीं के पास जाओ आवेदक ने बताया कि उनको धमकाने का काम भी लगातार किया जा रहा है जब तक आप शिकायत वापस नहीं नहीं लेते तो आपका पेमेंट नहीं करेंगे तुमको जो लगे वह कर लो।

एसडीएम शहपुरा ने ली पर्यावरण संरक्षण एवं पौधरोपण की बैठक

संस्थागत वृक्षारोपण पौध सुरक्षा एवं संरक्षण के दिये निर्देश

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। शहपुरा उत्कृष्ट विद्यालय शहपुरा में एसडीएम शाहपुरा श्री अनुराग सिंह ने पर्यावरण संरक्षण एवं पौधारोपण संबंधी बैठक ली जिसमे अनुभाग शहपुरा अंतर्गत विकासखंड शहपुरा एवं मेहंदवानी के बीईओ बीआरसी रेंजर संकुल प्राचार्य एवं जनशिक्षक उपस्थित रहे।एसडीएम अनुराग सिंह ने कहा पौधरोपण हमारे जीवन के अस्तित्व से जुड़ा सबसे जरूरी कार्य है यह औपचरिक न हो अतः बेहतर योजना के साथ प्रत्येक पौधे के रोपण के पूर्वगड्ढो की तैयारी से लेकर पानी की एवं पौधे की सुरक्षा की व्यवस्था हेतु विशेष प्रयास की आवश्यक है।प्रत्येक शिक्षक विद्यार्थी पौधे की सुरक्षा के लिए तन मन से सेवा भाव से कार्य करें।विद्यालय की प्रार्थना सभा मे प्रतिदिन पौधे के महत्व एवं उसकी सुरक्षा पर विद्यार्थियों द्वारा व्याख्यान हो प्रेरक सन्देश दिया जावे।एसडीएम ने अनुभाग शहपुरा के तहत पंडरीपानी में हुए सफल वृक्षारोपण के तरीके को अपनाने हेतु उदाहरण दिया बताया सभी को अपनी अपनी जिम्मेदारी का निष्ठा से पालन करना होगा तभी वृक्षारोपण सफल होगा।पौधरोपण की तकनीक के बारे में रेंजर श्री जेपी वासपे ने बताया कि आम नीम जामुन करंज के पौधे आसानी से लगाये जा सकते हैं।पीपल बरगद को भवन से दूर लगाया जावे,ताकि जड़ो के विस्तार से भवन भी सुरक्षित रहे। पौधे की दूरी खाद पानी निदाई गुड़ाई समय पर करने से पौधे जल्दी लगते है और वृक्षारोपण सफल होता है।उल्लेखनीय है कि एसडीएम शहपुरा ने प्रत्येक विद्यालय में उपलब्ध पौधे एवं लगाए जा सकने वाले पौधे की जानकारी लेकर आवश्यकतानुसार पौधे प्रदाय के निर्देश दिए हैं। देश विदेश के अनुभवी पर्यावरणविदों का उदाहरण देकर बताया की पौधरोपण कैसे अपनी दृढ़इच्छा शक्ति से सफल किया जा सकता है। बैठक के दौरान बीईओ पीडी पटेल संकुल प्राचार्य संजय सिंह, डॉ डीके श्रीवास्तव, रेंजर जेपी वासपे, बीआरसीसी गुरु प्रसाद साहू, संतोष ठाकुर प्राचार्य यशवंत साहू, शिक्षक अश्विनी साहू दर्शन कुशराम रवि साहू एवं समस्त संकुल प्राचार्य जनशिक्षक उपस्थित रहे।

पर्यावरण दिवस विशेष

वृक्ष लगाने से होगा पर्यावरण संरक्षण, हजारों पेड़ों की देखभाल करते हैं ग्रामीण

जल संरक्षण को लेकर जनभागीदारी से होगा तालाब जीर्णोद्धार

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। विश्व पर्यावरण दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है वहीं पर्यावरण को लेकर वृक्ष लगाना और वृक्ष बचाना महत्वपूर्ण हो चला है। वर्तमान समय में लगातार प्रकृति गर्मी से धधक रही है वहीं दूसरी ओर क्षेत्र के लोगों को जागरूक करने के लिए क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और सरकारी महकमा पर्यावरण संरक्षण को लेकर जमीनीस्तर पर कार्य करने को बढ़ चले है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत बजाग के तत्वावधान में मुख्य कार्यपालन अधिकारी के दिशानिर्देश से ग्राम पंचायत पडरिया डोंगरी में विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के विशेष सहयोग से जन हितैषी वृक्षारोपण कार्य के लिए योजना तैयार की गई है जिसमें तालाब जीर्णोद्धार का कुछ कार्य जन सहयोग और कुछ कार्य सरकारी खजाने से किया जाएगा। नमामि गंगे योजना अंतर्गत तालाब जीर्णोद्धार 6.50 लाख रुपए के बजट से किया जाएगा वहीं दूसरी ओर जन सहयोग के वृक्षारोपण कार्य किया जाना है जिससे वृक्ष के संरक्षण के अलावा जल संरक्षण कर हजारों लीटर पानी संजोने का लक्ष्य रखा गया है।

-ग्रामीण करते हैं वृक्षों का संरक्षण

ग्राम पंचायत पडरिया डोंगरी के ग्रामीणों की वन और वृक्ष के प्रति जागरूकता और सजगता ऐसी है कि वर्षों पहले 35 एकड़ जमीन पर वृक्षारोपण का महत्वपूर्ण कार्य तत्कालीन वन परिक्षेत्र अधिकारी, तत्कालीन सरपंच, और तत्कालीन वन संरक्षण समिति के सदस्यों द्वारा हजारों की संख्या में वृक्षारोपण किया गया जिसका संरक्षण पूरा गांव करता है। वृक्ष से मैत्री और प्यार ग्राम पंचायत के प्रत्येक व्यक्ति में झलकती है जिसके चलते वनीय संपदा और उत्पादन भी पडरिया डोंगरी के ग्रामीणों द्वारा संचालित किया जाता है और ग्रामीणों के द्वारा ही उत्पादक को क्या करना है वह भी ग्रामीण ही तय करते हैं।

-अब वन संरक्षण के बाद जल संरक्षण

सरकारी महकमे के सहयोग से अब पडरिया डोंगरी जल संरक्षण को लेकर भविष्य में महत्वपूर्ण उदाहरण बनने जा रहा है जहां वृक्षारोपण के साथ साथ सरकारी जमीन पर जल संरक्षण ग्रामीणों और प्रशासनिक सहयोग से बनने जा रहा है। वृक्ष और जल हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए महत्वपूर्ण यह है कि क्षेत्र के आवाम को जागरूक होकर वन और जल संरक्षण के लिए सरकारी योजनाओं के अलावा जन सहयोग से इस तरह की जागरूकता की आवश्यकता है।

शासकीय महाविद्यालय मेंहदवानी में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

हरिभूमि न्यूज मेंहदवानी। शासकीय महाविद्यालय मेहदवानी में बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ लेखराम कुर्मी के मार्गदर्शन में डॉ गौरी सिंह परते राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) संयोजक द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम के तत्वावधान पर वृक्षारोपण किया गया इसके पश्चात विश्व र्यावरण दिवश पर महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को जागरूक किया गया। इस अवसर पर एनएसएस संयोजक डॉ गौरी सिंह परते, प्राचार्य डॉ लेखराम कुर्मी, श्रीमती सुंदरवती यहके, श्रीमती पिंकी श्रीवास्तव, श्रीमती अम्रता सूर्यवंशी उपस्थित थे। कार्यक्रम में वक्ताओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण का महत्व पर्यावरण मानव जीवन का एक अंग जैसे विषयों पर प्रकाश डाला गया। इसके साथ ही पौधरोपण के लिए लोगों को स्लोगन के माध्यम से जागरूक करने एवं पौधरोपण कर उनका संरक्षण करने का संकल्प लिया गया। अब हमने ठाना है पर्यावरण बचाना है और एक वर्ष में कम से कम एक पेड़ लगाना है फिर धरती को हरियाली की चादर ओढ़ाना है के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में समस्त सहायक प्राध्यापक एवं अतिथि विद्वानों द्वारा छात्र-छात्राओं को पर्यावरण के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई जो अत्यंत सराहनीय रहा।

पुलिस लाईन में आयोजित समर कैंप में पुलिस परिवार के लगभग 120 बच्चे हुए लाभांवित

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार इकाई डिण्डौरी में 18 मई 2024 को ग्रीष्म कालीन शिविर समर केम्प का प्रारंभ पुलिस लाईन डिण्डौरी में किया गया था, जिसमें पुलिस परिवार के लगभग 120 बच्चे सम्मिलित हुए। जिसमें कक्षा पहली से बारहवीं तक के छात्रों ने हिस्सा लिया। बच्चों के द्वारा विभिन्न गतिविधियों जैसे फुटबाल, बॉलीबाल, बास्केटबॉल, हॉकी, कब्बडी, बैडमिंटन क्रिकेट, खो-खो, कुश्ती जैसे आउटडोर खेलों में सुबह-शाम सम्मिलित होकर बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उक्त गतिविधियों को पुलिस एवं खेल विभाग के प्रशिक्षित प्रशिक्षको के द्वारा अत्यधिक रूची एंव लगन के साथ संपन्न कराया गया। उक्त समर कैम्प में आउटडोर गतिविधियों के साथ-साथ डांस, पेंटिंग, हेंड क्राफ्ट एंव अंताक्षरी जैसी इनडोर गतिविधियां भी कराई गई। बच्चों को कैरियर से संबंधित मार्गदर्शन देने हेतु कैरियर काउंसलर की सहायता से कैरियर संबंधित जानकारी एवं नशा-मुक्ति से संबंधित जानकारी देकर नशा न करने के संबंध में शपथ दिलाई गई। इसी क्रम में 31 मई 2024 को समर कैम्प का समापन कार्यक्रम पुलिस लाईन डिण्डौरी क्रीड़ा परिसर में पुलिस अधीक्षक डिण्डौरी श्रीमती वाहनी सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम, जिला खेल अधिकारी मो. अहमद खान, पुलिस लाईन प्रभारी सूबेदार अभिनव राय, सूबेदार कुंवर सिंह ओलाडी, सउनि. मो. एजाज कुरैशी, आर. 162 पिंटू कुशवाहा, महिला आरक्षक 85 ज्योति धाकड एंव अन्य पुलिस व खेल प्रशिक्षकों की उपस्थिति में समर कैम्प में सम्मिलित समस्त बच्चों को उत्साहवर्धन एंव मनोबल बढाने हेतु प्रमाण पत्र प्रदान कर कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, गुरुवार 6 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जयवार हुए सेवानिवृत्त

तेंदूखेड़ा- विगत दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में पदस्थ कृषि विस्तार अधिकारी अनूप जयवार की शासकीय सेवावधि पूर्ण हो जाने पर उन्हें समारोह पूर्वक विदाईभिनंदन किया गया।श्री जयवार ने तेंदूखेड़ा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी कृषि विभाग की सेवायें दी।कृषि विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों और शुभ चिंतकों ने उनका शाल श्रीफल स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। तथा उनके दीर्घायु सुखमय यशस्वी जीवन की मंगल कामनाएं की। कृषि विस्तार अधिकारी अनूप जयवार की प्राथमिक और हाईस्कूल की शिक्षा हीरापुर तेंदूखेड़ा से पूर्ण कर होशंगाबाद जिले से पोस्ट ग्रेजुएट होकर 1987 में मंडला जिले से अपनी शासकीय सेवा में संलग्न हुए 1997में करेली विकास खंड के बाद 2010 चांवरपाठा विकास खंड में स्थानांतरित होकर लगातार अपनी सेवाएं दी।31 मई को सेवानिवृत्त हुए।

पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण

तेन्दूखेड़ा- सिविल न्यायालय की तहसील विधिक सेवा समिति तेंदूखेड़ा द्वारा न्यायालय परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं जागरूरकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माननीय अरविंद मीणा, न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति तेंदूखेड़ा के अतिरिक्त अधिवक्ता संघ एवं न्यायालयीन कर्मचारीगण उपस्थित रहे। न्यायायिक मजिस्ट्रेट माननीय अरविंद मीणा द्वारा वृक्षारोपण के महत्व को बताते हुए आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने का संदेश दिया एवं पौधे लगाने एवं उनको सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित किया गया। पेड़-पौधे की हमें कितनी जरूरत पड़ती है चाहे वह हवा की हो, पानी की हो, छाया की हो या फिर उसके फल एवं लकड़ी की हो। पेड़-पौधे ही तापमान को नियंत्रित करने और मौसम की स्थिति को वर्षा के अनुकूल बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए इस बरसात में कम से कम एक पेड़ अवश्य लगायें एवं उसकी देखरेख की जिम्मेदारी लें जिससे पौधे वृक्ष बने और वातावरण में व्याप्त प्रदूषण को कम करने की पहल सभी के सहयोग से प्रारंभ की जा सके।

मूंग एवं उड़द का पंजीयन 10 तक

नरसिंहपुर । वर्ष 2024 विपणन वर्ष 2024- 25 में प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन फसल मूंग एवं उड़द समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए किसान पंजीयन की अवधि बढ़ा दी गई है। अब किसान 10 जून तक पंजीयन करा सकेंगे। पूर्व में यह पंजीयन की तारीख 05 जून थी। आयुक्ष्त सह संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मध्य्यप्रदेश भोपाल ने पंजीयन वृद्धि संबंधी आदेश जारी किया है।

अरविन्द श्रीधर होंगे मप्र नेहरू युवा केंद्र संगठन निदेशक

नरसिंहपुर। गत दिवस जिले के बोहानी निवासी अरविंद श्रीधर को नेहरू युवा केंद्र संगठन, मध्य प्रदेश राज्य निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है । युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय,भारत सरकार के अधीन कार्यरत नेहरू युवा केंद्र संगठन युवा गतिविधियों के क्षेत्र में देशव्यापी स्तर पर प्रतिनिधि संस्था है अपने स्थापना काल 1972 से लगाकर आज तक नेहरू युवा केंद्रों द्वारा युवाओं का जागरण और जागरूक युवाओं द्वारा राष्ट्र निर्माण के मिशन एवं विजन के अनुरूप उल्लेखनीय कार्यों को अंजाम दिया है । अरविन्द श्रीधर जिला युवा समन्वयक के रूप में 1992 से नेहरू युवा केन्द्र से जुड़े हुए हैं और धार-झाबुआ जैसे ठेठ आदिवासी जिलों से लगाकर राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली तक काम कर चुके हैं।

पर्यावरण का बिगड़ता संतुलन चिंतनीयः श्रीमती नारोलिया

विश्व पर्यावरण दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित

नरसिंहपुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये । प्रकृति के संतुलन एवं मानव जीवन बचाने के लिये विभिन्न प्रेरणादायी उदबोधन दिये गये । जिले के शैक्षणिक संस्थानों को अतिरिक्त अन्य संस्थानों द्वारा वृक्षारोपण कर प्रकृतिक संरक्षण की शपथ ली गई । कार्यक्रम के दौरान प्रकृति के दोहन से होने वाली विपदाओं के बारे मे विस्तार से जानकारियां दी गई । वही विविध कार्यक्रमों के तहत पौधे भी रोपे गये जिसमे फलदार व छायादार पौधे अधिकांश रोपित किये गये वही जिला प्रशासन द्वारा भी आयोजित कार्यक्रमों मे वृक्षा रोपण करने की बात कही गई। विश्व पर्यावरण दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा विविध कार्यक्रम आयोजित कराये गये ।

एकजुट होकर करें प्रयास

जन शिक्षण संस्थान नरसिंहपुर द्वारा राम नगर कॉलोनी में विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया । संस्थान के प्रबंध मडंल की सदस्य श्रीमति उजाला नारोलिया ने वृक्षा रोपण किया । अपने विचार व्यक्त करते हुऐ कहा कि अंधाधुन्ध हो रही वृक्षों की कटाई तथा नित्यप्रति हो रही शहरी करण के फलस्वरूप हमारा पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है जो अगामी भविष्य में धरती के लिये एक गम्भीर संकट पैदा करेगा। असमय बदलता मौसम रह रह कर हमें इस बात का आभास करा रहा है कि हम समय रहते अपनी विचारधारा में परिवर्तन करते हुये धरती की हरियाली की रक्षा हेतु एक जुट होकर प्रयास करें ताकि धरती के बढ़ते तापमान पर रोक लगाई जा सके एवं संपूर्ण मानव प्रजाति को असमय कालकलवित होने से रोका जा सके। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक आशीष कुमार सेन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हर आदमी को अपने जीवन में एक पौधा लगाना चाहिए एवं उसका अपने बच्चों जैसा पालन पोषण करना चाहिए जब तक कि वह बड़ा न हो जाए। आज जगह जगह हो रहा कालोनियों का निर्माण, वृक्षों की व्यापक पैमाने पर कटाई हमारे पर्यावरण को असंतुलित कर रहा है। इस अवसर पर संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी सुमित दुबे उप कार्यक्रम अधिकारी रोशन पटैल, पूनम पाली , वदंना पटैल , दीक्षा मेहरा , मुकेश भारिया , मोक्षा नेमा , अंजली ठाकुर समस्त अनुदेशक एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद ने रौपा पौधा

पेड़ पौधे प्रकृति और मानव जीवन के लिए अमूल्य हैं पृथ्वी पर पेड़ पौधों की मात्रा को संतुलित रखने के लिए और ग्लोबल वार्मिंग और सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाओं को खत्म करने के लिए पौधारोपण बहुत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से भारत विकास परिषद शाखा नरसिंहपुर की ओर से पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में रेवा नगर स्थित चाणक्य विद्यापीठ में पौधारोपण किया गया इस कार्यक्रम में परिषद परिवार के वरिष्ठ उमेश दुबे रीजनल महिला सहभागिता प्रमुख श्रीमती भारती कौरव, महाकौशल प्रांत उपाध्यक्ष आशुतोष वर्मा, जिला समन्वयक एवं चाणक्य विद्यापीठ संचालक राजेंद्र राजपूत , कोषाध्यक्ष कुलदीप सलूजा, विकास नेमा , सोमराज कोरी एवं मातृशक्तियों में मंजू पटेल, नमिता कौरव , स्मिता श्रीवास आदि की उपस्थिति रही पौधारोपण के साथ-साथ सभी ने पूरे वर्ष भर पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लिया।

अंकुर अभियान के तहत रौपा पौधा

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा अंकुर अभियान के तहत रक्षित केन्द्र में किया गया वृक्षारोपण। हरित क्षेत्र में वृद्धि कर पर्यावरण को स्वच्छ और प्रकृति को प्राणवायु से समृद्ध करने के उद्देश्य से वृक्षारोपण के लिए जन-सामान्य को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक, द्वारा रक्षित केन्द्र में वृक्षारोपण किया गया एवं आमजनों से अपील की गयी कि आपस सभी अधिक से वृक्षरोपण कर पर्यावरण के प्रति आपने कर्तव्यों का निर्वाहन करें। उल्लेखनीय है कि पुलिस महानिदेशक मध्य प्रदेश सुधीर कुमार सक्सेना (भा.पु.से.) द्वारा पहल करते हुये पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों के 6 से 16 साल तक के बच्चों हेतु मध्य प्रदेश की समस्त पुलिस इकाईयों में समर कैंप आयोजित किया जा रहा है। पुलिस लाईन नरसिंहपुर में आयोजित समर कैंप के दौरान बच्चों को नृत्य, आर्ट एण्ड क्राफ्ट, मेंहदी, बेटमिंटन, टेबिल टैनिस, अर्चरी, स्कैटिंग, हार्स राईडिंग, बाक्सिंग, साईकिलिंग एवं अन्य खेलों का दिया जा रहा प्रशिक्षण।

कलेक्टर ने किया पौधा रोपण

जिले के हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में संचालित विज्ञान प्रयोगशाला में विद्यार्थियों को संबंधित विषय के सैद्धांतिक ज्ञान के साथ प्रेक्टिकल ज्ञान होना जरूरी है। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने जिला मुख्यालय स्थित स्कूल उत्कृष्ट विद्यालय, एमएलबी, नेहरू हायर सेकेण्डरी, सीएम राइज नरसिंहपुर की विज्ञान, रसायन शास्त्र एवं भौतिक शास्त्र विषयों की लैब का अवलोकन किया। उन्होंने प्राचार्यों से लैब में आवश्यक सामग्री सूची की जानकारी भेजने को कहा, जिससे लैब में विद्यार्थियों को प्रेक्टिकल ज्ञान का लाभ मिले। इस दौरान प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी अनिल व्यौहार, प्राचार्य जीएस पटेल, प्रभात मिश्रा, एके चैबे उपस्थित रहे। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती पटले ने विश्व पर्यावरण दिवस पर नेहरू हायर सेकेण्डरी, सीएम राइज नरसिहपुर में पौधारोपण भी किया। इसी तरह जिला शिक्षा अधिकारी एवं अन्य शिक्षकों ने भी पौधरोपण किया। इस मौके पर सीएम राइज विद्यालय की कक्षा दसवीं की छात्रा भावना ने कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले का हाथ से तैयार किया गया चित्र भेंट किया।

शार्ट सर्किट से लगी आग, आधा दर्जन बकरियां झुलसी

नरसिंहपुर । बुधवार को सुबह तकरीबन 8 बजे स्टेशनगंज थाना क्षेत्र के कपूरी गांव में एक घर किनारे बने झोपड़े में शार्ट सर्किट से आग लग गई। जिससे झोपड़े में बंधी हुई कुछ बकरियां भी आग की चपेट में आ गईं। मिली जानकारी के अनुसार कपूरी गांव के संतराम नौरिया के घर से लगे एक कच्चे झोपड़े में बुधवार की सुबह 8 बजे शॉर्ट सर्किट हो जाने से आग लग गई। कच्चे झोपड़े में बंधी उनकी उनकी 30 बकरियों में से 6-7 बकारियां आग की चपेट में आ जाने से झुलस कर घायल हो गईं। चिकित्सक बुलाकर घायल बकारीयों का ईलाज किया जा रहा है। वही झोपड़ी का छप्पर जल गया ।

श्री हनुमंत कथा की भव्य कलश यात्रा आज

नरसिंहपुर । जिले के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन की कलश यात्रा आज निकलेगी जो सदर मढ़िया से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुये छिंदवाड़ा वायपास मे सम्पन्न होगी । कलश यात्रा के उपरांत श्री हनुमंत कथा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज के मुखारविंद से प्रवाहित होने की जावेगी । आयोजन समीति द्वारा समस्त धर्म प्रेमियों एवं मातृशक्ति से आग्रह किया है कि कलश यात्रा में सम्मिलित हो तथा शाम 4 बजे से महाराज जी के मुखारविंद से होने वाली श्री हनुमंत कथा का श्रवण करने हेतु सभी क्षेत्र, नगर ,जिला, प्रदेश, एवं देशवासी सादर आमंत्रित हैं। आवश्यकता अनुसार सभी व्यवस्थाएं लगभग पूर्ण हो चुकी है प्रशासनिक व्यवस्था तथा सेवादार की सभी स्थानों पर तैनाती की गई है जिससे दूर-दूर से आने वाले किसी भी धर्म प्रेमी को कोई असुविधा होने पर मदद ली जा सकती है आयोजन में जो मूलभूत आवश्यकता है उन सभी को ध्यान रखते हुए प्रशासन के मार्गदर्शन में व्यवस्थाएं की गई है यह एक धार्मिक आयोजन है और हम सभी के अथक प्रयास से यह आयोजित हो रहा है।

गोटेगांव स्वास्थ्य केन्द्र मे अनियमित्तओं का मामला

एसडीएम ने सौंपी जांच रिपोर्ट, बीएमओ पर गिर सकती है गांज

नरसिंहपुर । बीते लंबे समय से सुर्खियों मे बना गोटेगांव स्वास्थ्य केन्द्र की जांच पूर्ण कर एसडीएम द्वारा कलेक्टर को सौंपी जा चुकी है । जांच रिर्पोट सौंपे जाने के बाद जिला प्रशासन द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है यह देखने योग्य होगा । वही लोगो द्वारा कयास लगाये जा रहे है कि नियमों की अनदेखी तथा लापरवाह बीएमओं को हटाया जावेगा । कलेक्टर को सौंपी गई जांच रिपोर्ट मे कर्मचारियों द्वारा लगाये गये आरोपों को भी अंकित किया गया हालांकि सूत्रों की माने तो बीएमओं के साथ अन्य कर्मियों पर भी गाज गिर सकती है ।

एसडीएम ने सौंपी जांच रिपोर्ट

शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोटेगांव मे अनियमित्ताओं की शिकायत जिला प्रशासन के समक्ष की गई थी जिसकी जांच कलेक्टर द्वारा एसडीएम गोटेगांव देवंती परते को सौंपी गई थी । शिकायत मरीजों के उपचार और नगरवासियों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए शुरूआत की गई थी, लेकिन यहां पर जमें अधिकारियों की लचर कार्यशैली के चलते अब सामुदायिक केन्द्र में लगातार विसंगतियां देखी जा रही है। आये दिन विवादों में रहने के कारण और बीएमओ की मिल रही शिकायत के बाद जांच कराई गई । एसडीएम द्वारा की गई जांच के बाद अब कयास लगाए जा रहे है, कि बीएमओ पर गाज गिरनी तय है। अस्पताल मे कर्मचारियों द्वारा शराबखोरी की जानी की शिकायत भी मरीजों के परिजनों द्वारा की गइ थी । वही नर्सो द्वारा अभद्रता के आरोप भी लगाये थे । बेहतर उपचार ना मिलने के कारण शिशु की मौत का मामला भी सामने आया था। अंदाजा लगाया जा रहा है, कि लोकसभा चुनाव के पश्चात बीएमओ पर अनुशासनहीनता की कार्रवाई की जा सकती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान 16 तक

नरसिंहपुर । जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रदेश में जल स्त्रोतों तथ नदी, तालाबों, कुआं, बावड़ी तथा अन्य जल स्त्रोतो के जल संरक्षण एवं पुर्नजीवन के लिये विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर 5 जून से 16 जून तक विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। उक्त अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावित होने वाले नदियाँ और उनमें मिलने वाली सहायक नदियों एवं जल संरचनाओं के पुनर्जीवीकरण किया जायेगा। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सेन्ट- आरसेटी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान नरसिंहपुर के परिसर में समस्त स्टॉफ एवं प्रशिक्षार्थियों द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण बचाने की शपथ दिलवाई ली गई। इस दौरान संस्थान द्वारा पौधरोपण करने और पौधों को संरक्षित करने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंध सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया नरसिंहपुर जयदेव विश्वास, आशीष नामदेव, इन्चार्ज एफएलसीसी नरसिंहपुर राजेन्द्र सिंह पटैल, कार्यालय सहायक गगन शर्मा, श्रीमती सिंधु शर्मा एवं प्रशिक्षार्थी मौजूद थे।

सर्व आदिवासी समाज ने सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर । बुधवार को सर्व आदिवासी समाज द्वारा जिला प्रशासन के नाम महामहिम श्रीमती द्रोपती मुर्मू के नाम ज्ञापन सौंपा गया । ज्ञापन मे बताया गया है कि मध्य प्रदेश व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड (प्रवेश स्तर) परीक्षा 2022 की परीक्षा में आदिवासी वर्ग के अभ्यर्थियों का चयनित नही किया गया । उच्च न्यायलय मध्यप्रदेश जबलपुर द्वारा दिनांक 17.11.23 को विज्ञापन क्रमांक 113 परीक्षा सी जे 2022 द्वारा व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ खंड (प्रवेश स्तर) भर्ती परीक्षा-2022 हेतु विज्ञापन जारी किया गया था जिसमें वर्ष 2022 के कुल पदों की संख्या 61 एवं कुल बैकलॉग पदों की संख्या 138 विज्ञापित की गई थी, जिसमे अनुसूचित जनजाति हेतु वर्ष 2022 के पदों की संख्या 12 एवं बैकलॉग पदों की संख्या 109, कुल पद 121 हेतु विज्ञापन जारी किया गया था, उक्त विज्ञापन के तहत अंतिम परीक्षा का परिणाम दिनांक 10.05.2024 को जारी किया गया, जिसमें अनुसूचित जनजाति हेतु विज्ञापित 121 सीटों के विरुद्ध एक भी अभ्यर्थी का चयन नहीं किया गया है। ज्ञापने के माध्यम से मांग की गई है कि आदिवासी समाज के हितो की रक्षा करते हुए, न्यायपालिका में आदिवासी समाज के प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करें । उक्त मौके पर शोभा ठाकुर (अध्यक्ष) जनपद पंचायत चांवरपाठा, रामलाल उइके (अध्यक्ष) आदिवासी समाज उत्थान परिषद,शंकर सिंह वाडिवा (सचिव) कोयतोड़ गोंडवाना महासभा,श्रीमती तरुणलता धुर्वे (प्रदेश कोषाध्यक्ष) गोंड समाज महासभा, श्रीमती किरण जगेत, गौतम भारिया (अध्यक्ष) भारिया समाज महासभा,जे एस धुर्वे (महासचिव) गोंड समाज महासभा, तुलसीराम परते (सचिव) आदिवासी समाज उत्थान परिषद, अरविंद उईके उपाध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ) गोंड समाज महासभा,राजीव लोचन सिंह ठाकुर, ब्रजेश जाटव, शेर सिंह धानक एवं जिले के समस्त सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य कर्मियों की मनमानी से आमजन परेशान

नरसिंहपुर । जिले मे बेहतर स्वास्थ्य सुविधाये मुहैया कराने के लिये जिला प्रशासन द्वारा भरसक प्रयास किया जा रहा है लेकिन स्वास्थ्य विभाग के गैरजिम्मेदार कर्मचारियों की लापरवाही के कारण लोगो को बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें नही मिला पाती है । इसी प्रकार का मामला स्वास्थ्य केन्द्र करकबेल का सामने आया जहां ड्यूटी समय से कर्मचारी नही जा रहे है जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें नही मिल पा रही है । बताया गया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मे सुबह से आने वाले मरीजों की भीड़ लगी हुई थी लेकिन अस्पताल मे ना तो डाक्टर था और ना ही प्रशासन का कोई जिम्मेदार कर्मचारी मौजूद था डाक्टर के आने बाद भवन की चाबी का पता किया गया तो नही मिली जिससे मौके पर मौजूद लोगों की मदद से ताला तोड़ा गया और लोगो को उपचार दिया गया । डाक्टर मुकेश ठाकुर भी समय से स्वास्थ्य केन्द्र नही पहुंते जिसके चलते लोगो को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है । ज्ञात हो कि उक्त क्षेत्र मे बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिये सरकार द्वारा उक्त अस्पताल को खोला गया है जहां पर पदस्थ्य स्वास्थ्य कर्मचारी समय पर ना तो आते है और ना ही जाते है। स्थानीय लोगो द्वारा बताया गया कि रात्रिकालीन स्वास्थ्य सुविधायें नही मिलती और ना ही कोई स्वास्थ्य कर्मी रात के समय मे अस्पताल मे रहता है । प्रशासन को चाहिये कि उक्त मामले की जांच कर ठोस कार्रवाई की जावे जिससे लोगो को बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें मिल सके ।

अब जनता के हुये दर्शन
भाजपा में खुशी का माहौल

तेंदूखेड़ा- हाल ही में घोषित हुए लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी चैधरी दर्शन सिंह को संसदीय क्षेत्र की जनता ने अपना सांसद चुन लिया है अब वे जनता के सांसद हो गये हैं।आठ विधानसभा क्षेत्र वाले इस चुनाव में कुल 1850075 मतदाताओं तथा 53 अन्य में से 1247268 मतदाताओं तथा 30 अन्य ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था इस लोकसभा चुनाव में यहां से नोटा सहित 13 प्रत्याशी चुनाव मैदान थे। मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस में था जिनमें भाजपा की तरफ से चैधरी दर्शन सिंह और कांग्रेस ने संजय शर्मा को मैदान में उतारा था।सर्वाधिक मत भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी चैधरी दर्शन सिंह को 812147 मत प्राप्त हुए । तथा प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस प्रत्याशी संजय शर्मा को 380451 मत प्राप्त हुए हैं। चैधरी दर्शन सिंह ने 431696 मतों से यह चुनाव जीता है। अभी तक संपन्न हुये लोकसभा चुनावों में कुल 19बार चुनावों में चैधरी दर्शन सिंह की दूसरी सबसे बड़ी जीत है इसके पूर्व राव उदयप्रताप सिंह ने 2019 में सर्वाधिक 553682 मतों से चुनाव जीता था इस क्षेत्र में स्व सरताज सिंह छतवाल ने सर्वाधिक छः वार प्रतिनिधित्व किया वहीं तीन बार राव उदयप्रताप सिंह ने तथा दो बार रामेश्वर नीखरा ने प्रतिनिधित्व किया है। भाजपा प्रत्याशी की इस जीत को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह का वातावरण बना हुआ है। वहीं संपूर्ण प्रदेश की सभी सीटें भाजपा की झोली में जाने से उत्साह और ज्यादा बना हुआ है।

आंतरिक सड़कों के बनने से मुख्य मार्गों पर होगा दबाव खत्म

तेंदूखेड़ा

विधानसभा क्षेत्र में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए सड़कें बनाई गई, लेकिन अभी भी कई ऐसी आंतरिक सड़कें हैं जिनके न बनने से लोगों को आवाजाही में दिक्कतें तो होती हैं साथ ही उनके समय, दूरी और धन की बर्बादी भी होती है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आंतरिक सड़कों के निर्माण से मुख्य मार्गों पर पड़ने वाला यातायात का दबाव भी कम रहता है, लेकिन कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें सड़कों का निर्माण आज भी अपेक्षित है पर शासन के उपेक्षित नजरिए के कारण इन सड़कों का निर्माण नहीं हो पा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के लोग इन आंतरिक सड़कों के निर्माण की लगातार मांग करते आ रहे हैं।

तेंदूखेड़ा से काचरकोन मार्ग

तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक 3 छोटी हासिद्धि से काचरकोना जाने वाला मार्ग काफी पुराना है। इस मार्ग के निर्माण की मांग वर्षों से की जा रही है। इस मार्ग के बनने से चीरा तिगड्डा तक का चक्कर लगाए बगैर ही लोग सीधे काचरकोना इमलिया और बिल्धारी तक आवागमन कर सकते हैं, इसमें समय कम लगने के साथ मुख्य मार्ग का भी दबाव कम होगा।

ईश्वरपुर से खमरिया सड़क

ग्राम ईश्वरपुर के टपरियों से सीधे खमरिया होकर लोग राष्ट्रीय राजमार्ग 45 फोरलेन तक पहुंच सकते हैं, अभी ईश्वरपुर डोभी के लोगों को तेंदूखेड़ा से चांवरपाठा होकर एनएच तक पहुंचना पड़ता है, यहां से बरकुंडा खेरी से भी गुटोरी तक पक्की सड़क भी बनाई जा रही है।

सुन्हेटी से काचरकोना तक जाने वाला मार्ग

ग्राम सुन्हेटी पावर हाऊस से सीधे काचरकोना तक जाने के लिए काफी प्राचीन सड़क मार्ग है। इस सड़क के बन जाने से सीधे काचरकोना तक पहुंचा जा सकता है। अभी फिर टेकापार लोगों को या तो तेंदूखेड़ा होकर या। होकर सुन्हेटी आना-जाना करते हैं। यह मार्ग समय दूरी और ईधन खर्च की दिशा में काफी किफायती सिद्ध हो सकता है।

ईश्वरपुर से डोभी सड़क

प्रतिष्ठित ईश्वरपुर से सीधे गांव के भीतर से डोभी मुख्य सड़क मार्ग तक पहुंचा जा सकता है, यह मार्ग किसानों के लिए तो किफायती है ही वहीं आम तौर पर छोटे वाहन चालकों को भी सीधे ईश्वरपुर तक आने के लिए सुविधा जनक है बाजू से और भी ग्रामीण क्षेत्र जुड़े हुए हैं, उनके लिए भी यहाँ से आवागमन सुविधा जनक बन जाएगा।

भोई दादा से शासकीय नलकूप तक

गाडरवारा सड़क मार्ग पर पड़ने वाले बीकोर के लोगों को मुख्य सड़क पर आने के लिए सात किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। यदि शासकीय नलकूप से मात्र एक जाती है तो सात

किलोमीटर की दूरी कम होने किलोमीटर भोई दादा तक पक्की सड़क बन के साथ सीधा आवागमन सुलभ हो सकता है। लंबे समय से यहां के लोगों के द्वारा यह विषय रखा और तत्कालीन मुख्यमंत्री महोदय को भी जानकारी दी गई थी उन्होंने भी अपनी स्वीकृति प्रदान की थी लेकिन आज तक कोई उचित निष्कर्ष नहीं निकल सका है।

खैरुआ से सीधे टपरियां से बन सकती है सड़क

हाल ही में ग्राम मदनपुर के खेरुआ गांव का सरकारी रास्ता खुल जाने के बाद से यहां से लोगों को निकलने की सुविधा मिलने लगी थी। वहीं सीधे टपरियों तक एक खेत सड़क बन जाने से सीधे मदनपुर खेरुआ का मुख्य सड़क

तक पहुंचे बगैर ही आवागमन सुचारू हो सकता है और किस के ले जाने के लिए सुविधा भी मिलने लगेगी।

तेंदूखेड़ा से जैतपुर

नगर परिषद् तेंदूखेड़ा के वार्ड क्र.8 से सीधे जैतपुर जाने के लिए पुराना के लिये और सुन्हैटी तिगड्डा होकर जैतपुर के कच्चा मार्ग है, लेकिन एनएच 45 से जैतपुर लिए अपनी कृषि उपज लाने बन गया है, लेकिन इस लिये पक्का मार्ग तो मार्ग पर काफी चक्कर और समय लगने के कारण लोगों को परेशानी होती है। ग्राम पंचायत के माध्यम से तेंदूखेड़ा से जैतपुर जैतपुर ग्राम के लोगों ने अनेक बार अपनी तक पक्का मार्ग बनाए जाने की मांग रखी। परंतु उनकी मांग को आज तक पूर्ण नहीं किया गया है। अगर यह मार्ग बन जाता है तो स्कूली छात्र-छात्राओं महिलाओं वृद्धजनों को आवागमन में सुलभता होगी। नगरीय क्षेत्र में भी ऐसे बहुत से सड़क मार्ग है यदि उनका निर्माण होता है तो निश्चित तौर पर मुख्य सड़क मार्गों से दबाब खत्म हो सकता है। जैसे की टाल मुहल्ला से सीधे खेरापति मंदिर वार्ड क्रमांक 05 से सीधे हरसिद्धि मंदिर सड़क मार्ग जुड़ने से डोभी इमझिरा तरफ के लोग सीधे एन एच से जुड सकते हैं।